

---

# Shri SantoShi Mata Mangala Ashtakam

---

## श्रीसन्तोषीमाता मङ्गलाष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri SantoShi Mata Mangala Ashtakam

File name : santoShImAtAmangalAShTakam.itx

Category : devii, aShtaka, mangala

Location : doc\_devii

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

Latest update : January 1, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 1, 2020

*sanskritdocuments.org*

---


श्रीसन्तोषीमाता मङ्गलाष्टकम्




ॐ श्रीगणेशाय नमः ।  
महागणेशसुतयोः रक्षाबन्धनहेतवे ।  
गणेशकृपया जात सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ १ ॥  
गौरी वाणी रमादेवी शक्त्या रक्षणहेतवे ।  
समुद्योदिकरूपायै सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ २ ॥  
मध्यप्रदेशमध्यस्थगिरिशृङ्गालये शुभे ।  
कलाषोडशसम्पूर्णा सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ ३ ॥  
अष्टमी नवमी पूर्णा भृगुवारे विशेषतः ।  
पूजया चातितुष्टायै सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ ४ ॥  
शान्तायै साधकानां च कोपनायै विरोधिनाम् ।  
सर्वशक्तिस्वरूपिण्यै सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ ५ ॥  
वर्धिन्यै धर्मवर्धिन्यै हर्षदायै क्षणे क्षणे ।  
सर्वमङ्गलरूपिण्यै सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ ६ ॥  
स्वर्णायै स्वर्णवर्णायै स्वर्णदायै स्वपूजके ।  
गोदायै ख्यातिदायै च सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ ७ ॥  
अतिरौद्रातिसौम्यायै सिद्धिदायै सुकर्मणाम् ।  
सर्वरक्षाकरायै च सन्तोषिण्यै सुमङ्गलम् ॥ ८ ॥  
सन्तोषिणीजगन्मातुर्मङ्गलं पठतां गृहे ।  
मङ्गलानि प्रवर्तन्ते तत्र लक्ष्मीश्च सुस्थिरा ॥ ९ ॥  
इति श्रीसन्तोषीमाता मङ्गलाष्टकं सम्पूर्णं

Encoded by Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

——  
*Shri SantoShi Mata Mangala Ashtakam*

pdf was typeset on January 1, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

